1

515

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–20)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

GSM (M-I)-2420

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: S. K. Meena **Mobile Number:** ____________

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** ____________

Center & Date: M.N 02/09/24 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 3600277

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें ***बारह*** *प्रश्न हैं तथा* ***हिन्दी*** *और* ***अंग्रेज़ी*** *दोनों में छपे हैं।*
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
There are ***TWELVE*** *questions printed both in* ***HINDI*** *and* ***ENGLISH****.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		5 (b)	
1 (b)		6 (a)	
2 (a)		6 (b)	
2 (b)		7.	
3 (a)		8.	
3 (b)		9.	
3 (c)		10.	
4 (a)		11.	
4 (b)		12.	
5 (a)			
Grand Total (सकल योग)			

____
मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

____
पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

drishti | दृष्टि The Vision

खंड - क/ SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. (a) वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय अनुसंधान में नीतिशास्त्र के संदर्भ क्या हैं? अपने उत्तर को उदाहरणों के साथ संपुष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

What are ethics in scientific and technological research? Provide examples to support your answer. (150 Words) 10

वैज्ञानिक व प्रौद्योगिकी अनुसंधान मे उच्च नैतिक नियमो का पालन करना इस शाखा का मुल मंतव्य है।

① क्लीनिकल टेस्ट में - निष्पता, सम्मान, सचेतन सहमति, पर्याप्त क्षतिपूर्ति का पालन किया जाये।

उदा० — अमेरिका जैसे देशो द्वारा अफ्रीका में लोगों पर शोषणकारी परीक्षण

② अनुसंधान का उद्देश्य मानवता व ~~मानवता~~ मानव मुल्यो के अनुरूप हो।

उदा० — विनाश के लिए परमाणु बंब न बनाये।

drishti | दृष्टि The Vision

(3) कचरा निस्तारण का पर्यावरणीय प्रभाव का शमन हो|

(4) रिसाव या पार्श्वप्रभाव की जिम्मेदारी निर्धारित हो|

उदा० - अंतरिक्ष मे कैसलर सिंड्रोम की जवाबदेहिता का संकट

(5) रिसर्च सभी वर्गों का सर्वसमावेशी व पूर्वाग्रह रहित

उदा० - A.I. रोबोट मे महिला पूर्वाग्रह
- U.S.A. मे मेटावर्स पर एक महिला का रेप

(6) खुलापन, SOP, धारणीयता हो|

उदा० - ISRO के मिशन

फलत: अनुसंधान समाज व विश्व की मानवता को समृद्ध करे|

उम्मीदवार हाशिये में लिखना च (Candida not write margin)

drishti | दृष्टि The Vision

(b) क्या आपको लगता है कि महात्मा बुद्ध के लगभग सभी उपदेशों में संदर्भित अष्टांगिक मार्ग का सिद्धांत आज भी उनके अनुयायियों के लिये उतना ही स्पष्ट और व्यावहारिक है, जितना तब था जब उन्होंने इसे प्रथमत: प्रतिपादित किया था? (150 शब्द) 10

Do you think Buddha's eightfold path which he taught in virtually all his discourses, is as clear and practical to his followers today as it was when he first gave it? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

महात्मा बुद्ध की अष्टांगिक मार्ग की शिक्षा वास्तुत: अनुयायियों को नैतिक जीवन जीने की मार्गदर्शिका थी|

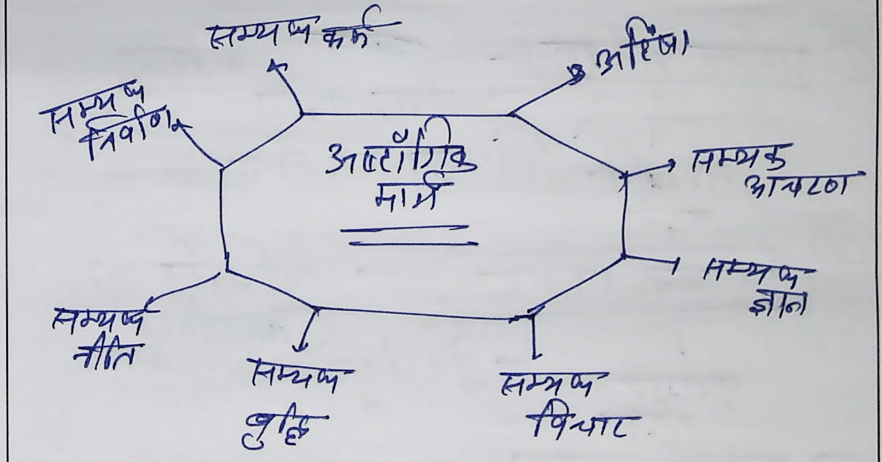

वास्तुत: यह सत्य है कि आज 6th शताब्दी बीसी से लेकर 2024 तक व्यापक बदलाव आ गया है

drishti दृष्टि The Vision

लेकिन आज भी समाज में हिंसा, असमानता, असहिष्णुता, आडंबर जैसी वो ही समस्याएँ विविध रूप में मौजूद है, जैसी बुद्ध के समय रही।

इसमें कुछ संशोधन के साथ ही सही लेकिन उनकी शिक्षाएँ वर्तमान में भी प्रासंगिक हैं।

(1) सम्यक् आचरण → हिंसा का समाधान
→ संवाद बढ़ना
→ असहिष्णुता कम होना
→ सहनशीलता बढ़ना

(2) सम्यक विचार → अभिवृत्ति को सत्य निष्ठ बनाना
→ बुरे विचारों से बचना
→ पूर्वाग्रह हटना

(3) सम्यक कर्म → समाज कल्याण

(4) सम्यक ज्ञान → इच्छाएँ सीमित होना
→ लालच न होना

अतः बुद्ध की सम्पूर्ण जीवन की शिक्षाओं की प्रासंगिकता विद्यमान है

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2. (a) जनसंपर्क (PR) में सोशल मीडिया के उपयोग ने सूचना के प्रसार और उपभोग के तरीके को रूपांतरित किया है। सोशल मीडिया के माध्यम से चलाए जा रहे जनसंपर्क अभियानों से जुड़ी नैतिक चुनौतियों का विश्लेषण कीजिये। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से आमजन से संवाद के दौरान जनसंपर्क पेशेवर नैतिक आचरण कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं? (150 शब्द) 10

The use of social media in public relations (PR) has transformed the way information is disseminated and consumed. Analyze the ethical challenges associated with social media PR campaigns. How can PR professionals ensure ethical conduct while engaging with audiences on social media platforms? (150 Words) 10

सोशल मीडिया ने कम समय में भावनात्मक जुड़ाव पैदा करने की क्षमता द्वारा सूचना का प्रसार व उपभोग प्रतिरूप बदल दिया है।

उदा० – भारत में वर्तमान में 880 मिलियन इंटरनेट प्रयोगकर्ता है।

सोशल मीडिया जन संपर्क अभियानों की नैतिक चुनौतियाँ : →

(1) फेक न्यूज का संकट Ex – 2000 के नोट में चिप
(2) मानहानि व घृणा का भय
(3) प्रोपेगेंडा प्रचार, आतंक व अलगाववाद की विचारधारा का प्रचार
Ex – बंगाल दंगे
(4) निजता व डेटा सुरक्षा का संकट (Art 21)
(5) वे-जॉन बारकेटर के रूप में प्रयोग
उदा० – China

⑥ जवाबदेहिता संकट

⑦ पर्यावरण लागत → बिजली, CO_2, गैस

जनसंपर्क पेशेवर नैतिक आचरण के लिए :—

① सटीक सूचना व सटीक डेटा का प्रयोग

② भ्रमात्मक या भड़काऊ भाषण न हो

③ फेक ब्रांडिंग न हो बल्कि पारदर्शिता

④ fact-check unit की स्थापना

⑤ विवाद पर तुरंत क्लेरीफिकेशन

⑥ शिकायत निवारण तंत्र, PRO की नियुक्ति

⑦ IT नियमन पालन

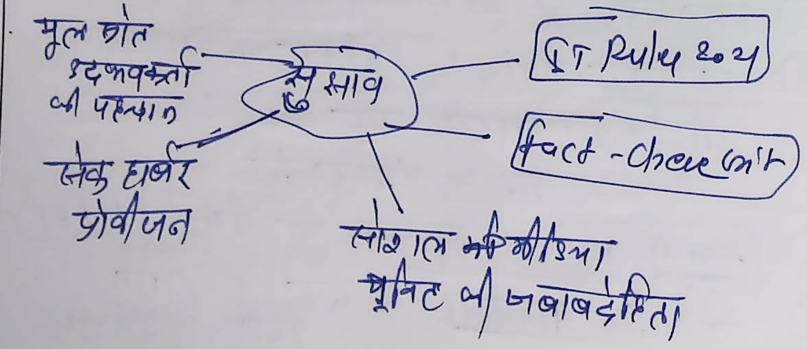

(b) डेटा गोपनीयता एवं इसकी सुरक्षा के संबंध में शासन, व्यक्तियों की सुरक्षा के लिये समाज का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। इस कथन के आलोक में, गोपनीयता एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के मध्य संतुलन बनाने में आने वाली नैतिक चुनौतियों पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Governance around data privacy and security is an important part of society to protect individuals. In the light of this statement, discuss the ethical challenges faced in balancing privacy and national security. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

'डेटा नया ऑइल है।'

सुप्रीम कोर्ट द्वारा पुट्टस्वामी वाद 2017 में निजता के मूल अधिकार की स्थापना की।

डेटा की गोपनीयता व सुरक्षा इस अधिकार का मुख्य पहलू है।

उदा० — भारत में 880 मिलियन लोग इंटरनेट प्रयोगकर्ता हैं, लेकिन 80% डेटा विदेशों में संग्रहित होता है।

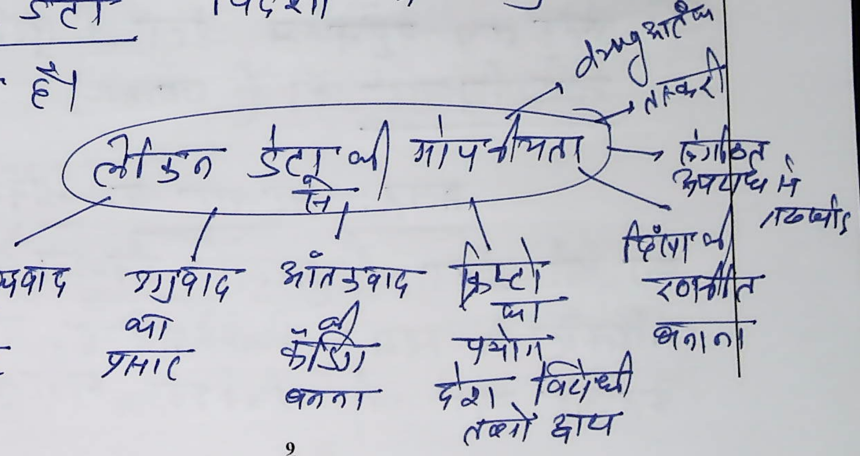

drishti | दृष्टि The Vision

राष्ट्रीय सुरक्षा को संकट पैदा होता है।

गोपनीयता व राष्ट्रीय सुरक्षा में संतुलन के चुनौतियां -

1. निजता बनाम सुरक्षा
2. व्यक्तिगत अधिकार बनाम अखण्डता

उदा०- NE में AFSPA

- J&K के टेलीग्राफ एक्ट 1885 द्वारा इंटरनेट निलंबन

3. असामाजिक तत्वों के कारण अन्य लोगों को भी खतरा
4. डेटा तक पहुँच व डेटा की सुरक्षा मानवाधिकार है (UNHCR)

फलत: सरकार व आमजन को भी डेटा की सुरक्षा, निजता के अधिकार के साथ जिम्मेदारियों व कर्तव्यों का भी निर्वहन करना चाहिए।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

3. नीचे महान विचारकों के तीन उद्धरण दिये गए हैं। इनमें से प्रत्येक उद्धरण वर्तमान संदर्भ में आपको क्या संदेश देता है?

Given below are three quotations of great thinkers. What do each of these quotations convey to you in the present context?

(a) देशभक्ति हमारा अंतिम आध्यात्मिक आश्रय नहीं हो सकती; मेरा आश्रय मानवता है। - रवींद्रनाथ टैगोर (150 शब्द) 10

Patriotism cannot be our final spiritual shelter; my refuge is humanity. -Rabindranath Tagore. (150 Words) 10

'वसुधैव कुटुम्बकम' का नारा देने वाली भारतीय संस्कृति अंत के मानवता को सर्वोपरि रखती है।

देशभक्ति एक आवश्यक तथा उचित मूल्य है लेकिन यह अंतिम साध्य नहीं है।

उदा०- भगतसिंह द्वारा क्रांतिकारी आंदोलन के साथ ही सामाजिक व मानव न्याय की धारणा की

ईशावास्यमिदं सर्वं अर्थात कण कण में ईश्वर का वास है को संबोधित करने वाली टैगोर जी भी

पोम्बमां प्रासंगिक है। —

① भारत द्वारा INC व पंचामृत की घोषणा द्वारा पर्यावरण संरक्षण को वरीयता।

② अन्याय के विरुद्ध वैश्विक आंदोलन
उदा० — # ब्लैकलाइव मैटर

③ देशभक्ति अंधी नहीं होनी चाहिए
उदा० — चीन का विस्तारवाद
— दो विश्वयुद्धों का कारण भी अंधराष्ट्रवाद ही था।

④ जीव मात्र के प्रति दया —
उदा० — अहिंसा विरोध (सार्वभौमिक मूल्य)

फलत: मानवता ही सर्वोत्कृष्ट व अंतिम लक्ष्य है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(b) थोड़ा-सा अभ्यास टन भर उपदेश से अधिक मूल्यवान है। - महात्मा गांधी (150 शब्द) 10

An ounce of practice is worth more than tons of preaching. -Mahatma Gandhi.(150 Words) 10

उपदेश देने मात्र से कोई फल नहीं मिलेगा जब तक कि कोई वास्तविक प्रयास न हो।

उदा० = मिशन लाइफ पर ज्ञान दिन-रात दिया जाता है लेकिन इसमें बेहतर है अपने जीवन शैली
- प्लास्टिक प्रयोग न करना।
- अनावश्यक बिजली न जलाना
- ज्ञान देते समय AC बंद करना।

सामाजिक क्षेत्र में महिला समानता के लिए परिवार में समानता लाएं न कि बाहर ज्ञान दें।

भ्रष्टाचार के विरुद्ध क्रांति किया किया जाता है अन्ना आंदोलन की तरह कम लोग आगे आते हैं।

- मार्गदर्शन देना
  - → कोई बदलाव नहीं।
  - → ऊर्जा कोरट
  - → समय व संसाधन बर्बादी
  - उदा० → LGBT अधिकार
  - → भूख मिटाना आवश्यक है
- वृहद प्रयास
  - ⊙ दशमलव ही सही बदलाव
  - ⊙ स्वयं से शुरुआत
  - उदा०, सुकृति योजना (बालोतरा प्रशासन)
  - उदा० - ऑपरेशन मुस्कान (को सीकर)

" जो परिवर्तन आप दुनिया में लाना चाहते हो वो स्वयं प्रयास बनें "

(c) जब भी आप कोई काम करें, तो ऐसे व्यवहार करें जैसे पूरी दुनिया आपको देख रही हो। -थॉमस जेफरसन (150 शब्द) 10

Whenever you do a thing, act as if all the world were watching. -Thomas Jefferson (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अक्सर व्यक्ति गलत काम अकेले या छिपकर करता है।

उदा० - चोरी रात के अंधेरे में
- सारवार अर्हता के लिए डार्क वेब का प्रयोग।

लेकिन जब हम यह मनोस्थिति रखे कि पूरी दुनिया हमें देख रही है तो उसमें

- उत्तर: जवाबदेहिता बढ़ना
- दबाव बढ़ना
- अंतःकरण की आवाज
- नैतिक व्यवहार का प्रोत्साहन
- 100% दक्षता लगाना संभव

जिसका परिणाम यह होगा कि →

- सर्वश्रेष्ठ नीति निर्माण
- भ्रष्टाचार रहित प्रशासन
- समावेशी व धारणीय विकास
- मानवता का कल्याण

उदाहरण :-

① वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग या अब्दुल कलाम ने बंद कमरे में काम किया, लेकिन दृष्टिकोण व्यापक रखा।

② ISRO के कार्य।

③ राजेंद्र सिंह वाला मॉडल

वहीं ISIS, तानाशाही शासन (उत्तर कोरिया), भ्रष्ट प्रशासन में कार्य अपनी आंखें बंद करके किया जाता है।

कोई भी काम करते समय
- पर्यावरण का ध्यान
- मानवता का ध्यान
- समाज का ध्यान
- स्वयं का ध्यान

4. (a) भावनात्मक बुद्धिमता (EI) को परिभाषित कीजिये। इसके प्रमुख घटकों पर चर्चा कीजिये। स्पष्ट कीजिये कि प्रत्येक घटक लोक प्रशासन में प्रभावी नेतृत्व में किस प्रकार योगदान देता है। (150 शब्द) 10

Define Emotional Intelligence (EI). Discuss its major components. Explain how each component contributes to effective leadership in public administration. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सैलोवी व मेयर के अनुसार अपनी व दूसरों की भावनाओं को सटीकता से समझना, चिंतन से जोड़ना, प्रबंधित निर्णयन ही भावनात्मक बुद्धिमता है।

डेनियल गॉलमैन के अनुसार इसके 5 घटक हैं।

- आत्म नियमन
- आत्म प्रेरणा
- सहानुभूति
- सामाजिक दक्षता
- आत्म जागरूकता

लोक प्रशासन वास्तुतः जनकल्याण के लिए शासन की व्यवस्था है।

EI व लोक प्रशासन में नेतृत्व :-

① आत्मजागरूकता व आत्मनियमन द्वारा स्वयं को अपने कार्य की स्पष्ट समझ

तथा भावनाओं पर नियंत्रण पर
सटीक निर्णयन का नेतृत्व कौशल
L उदा० - "लोको ना देखो ना" अभियान (सिलवट)

② आत्मअभिप्रेरण: आशावादिता व
सकारात्मकता से निष्काम कर्म दृढ़ता
से करना।

उदा० - अशोक खेमका, दुर्गा शक्ति नागपाल

③ सहानुभूति द्वारा आमजन सहित कार्मिकों
की भावनाओं को समझना।

├ तनाव प्रबंधन
└ बेहतर नीति निर्माण

उदा० - ऑपरेशन सुलेमानी (कालीकट), सुकृति योजना (बालांगीर)

④ सामाजिक दक्षता → बेहतर अंतः व अंतर
वैयक्तिक संबंध

उदा० - गूगल → विवाद व तनाव का समाधान
└ बेहतर कार्य संस्कृति

अतः EI को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। गोलमैन के अनुसार निर्णयन में 80% रोल देता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(b) नागरिक अधिकार पत्र तथा सहभागी शासन की अवधारणा के बीच संबंधों का परीक्षण कीजिये।

(150 शब्द) 10

Examine the relationship between Citizen Charters and the concept of participatory governance.

(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नागरिक अधिकार पत्र संगठन द्वारा स्वयं की ओर से लिखित घोषणाएं हैं जो उनके ग्राहक (आम जन) के अधिकार व संगठन की जवाबदेहिता की घोषणा है।

उदा० - SBI बैंक का सिटिजन चार्टर

सहभागी शासन वस्तुत: आमजन के साथ मिलकर चलाये जाना वाली शासन पद्धति है; जिसमें आमजन सक्रिय सहभागिता रखता है।

उदा० - सोशल ऑडिट, मनरेगा।

नागरिक अधिकार पत्र की प्रभाविता स्वत: शासन को सहकारी शासन बना देती है।

drishti | दृष्टि The Vision

नागरिक अधिकार पत्र

- नागरिक के अधिकार → सेवा या गुणवत्ता न मिलने पर शिकायत → फीडबैक के रूप मे सिटिजन रिपोर्ट कार्ड
- शिकायत निवारण तंत्र → शिकायत समाधान → गुणवत्ता बढ़ना
- संगठन/सरकार की जिम्मेदारी → पारदर्शिता → भ्रष्टाचार पर अंकुश → दक्षता

→ **सहभागी शासन**

फलत: द्वितीय ARC रिपोर्ट व ESPA रिपोर्ट 2008 के अनुसार सिटिजन चार्टर को वास्तविक, वैध (कानूनी), सेवोत्तम मॉडल से जोड़ा जाना चाहिए।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

5. (a) समकालीन भारतीय राजनीति के संदर्भ में, मतदाता व्यवहार पर संज्ञानात्मक असंवादिता के संभावित निहितार्थों और लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर इसके प्रभाव का विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

In the context of contemporary Indian politics, analyze the potential implications of cognitive dissonance on voter behavior and its impact on the democratic process. (150 Words) 10

संज्ञानात्मक असंवादिता वह दशा है जहां हमे संज्ञान है क्या सही या गलत है लेकिन हमारा व्यवहार उसके विपरीत होता है।

उदा० - राजनीति के स्वच्छता के लिए अभियान लेकिन 44% से अधिक नेताओं पर केस (उन्हे ही जिताना)

संज्ञानात्मक असंवादिता के संदर्भ व मतदाता व्यवहार प्रभाव

- जाति के संदर्भ मे ⇓ जाति ⇄ राजनीति
- धर्म पर ⇓ चुनावों में दंगे
- भ्रष्टाचार
- पर्यावरण
- अपराधी
- हेट स्पीच

drishti | दृष्टि The Vision

- मतदान की निष्पक्षता पर संकट
- धड़कना आसान
- एकतरफा वोटिंग होना
- वोटिंग में तार्किकता की जगह भावना
- जवाबदेहिता का महत्त्व न रखना

लोकतांत्रिक प्रक्रिया :—

① कमजोर होना
② गैर-जवाबदेही सरकार बनना
③ संविधान के नियमों का उल्लंघन
④ तानाशाही का भय
⑤ समाज में टकराव बढ़ना
⑥ अनु 326 की भावना का उल्लंघन

सुझाव
- पूर्वाग्रह निवारण
- संवाद बढ़ाना
- असंगति को दूर करने के लिए मुलना जुटाना
- धैर्य
- जवाबदेहिता का महत्त्व

drishti | दृष्टि The Vision

(b) परिवार में अभिभावक अपने बच्चों के नैतिक विकास में मुख्य शिक्षक के रूप में महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कैसे करते हैं? (150 शब्द) 10

How do parents play an important role as the main educator in the family in moral development of their children? (150 Words) 10

बच्चों का पहला विद्यालय घर व माता-पिता या अभिभावक पहले शिक्षक होते हैं।

अभिभावक नैतिक शिक्षक के रूप में :—

① नैतिक व्यवहार करना चाहिए -
"बच्चे वो ही करते है जो माता-पिता करते है, वो नहीं जो माता-पिता कहते है।"

② परिवार के कार्य व्यवहार में लोकतांत्रिक मूल्यों का समावेश
- महिला सम्मान
- विद्यालय में टिफिन शेयर करने की शिक्षा
- घरेलू कार्मिक के साथ सद्व्यवहार

③ दादा-दादी द्वारा स्थानीय भाषा में संवाद पर संवेदना का विकास।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(a) बच्चों को नैतिक उपदेश की कहानियाँ

उदा० - रामायण के राम
- गाँधीजी

(b) बच्चों को भूमिका विपर्यय

उदा० - त्योहारों पर

(6) जातिवादी पूर्वाग्रहों से बचाना :-
- स्वयं सही व्यवहार करें
- बच्चों को समझायें

(7) प्रोत्साहन व ~~दुरु~~ पुरस्कार निश्चित दण्ड की नीति।

(8) LiFE दृष्टिकोण अपनाकर पर्यावरण मूलक संवेदनशील

फलत: परिवार ही वह जगह है जहाँ मानव का वास्तविक निर्माण होता है।

6. (a) "लोक प्रशासन में नीतिशास्त्र का तात्पर्य केवल नियमों का पालन करना नहीं है, बल्कि सही विकल्प का चयन करना भी है।" स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

"Ethics in public administration is not just about following rules, but also about making the right choices." Explain. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नीतिशास्त्र वस्तुत: उन नैतिक नियमों का समूह है जो हमें सही या गलत का निर्णयन में मार्गदर्शन प्रदान करता है।

उदा० - कामचोरी न करना।
- हिंसा न करना।

लोक प्रशासन में नीतिशास्त्र मात्र नियमों के पालन तक ही सीमित नहीं है क्योंकि नियमों की पालना में भी सत्यनिष्ठा/शुचिता का उल्लंघन संभव है।

उदा० - कर नियोजित करके कर को न्यूनतम बनाना
- कानूनी कमियों का फायदा उठाकर भूमि सुधारों का उद्देश्य विफल

→ उदा० — 85 y. की वृद्धा को लोन न देना क्योंकि उसके पास PDS योजना के तहत एक गौण महत्व का कागजात नहीं है।

अतः लोक प्रशासन में नीतिशास्त्र सही विकल्प चयन है जो प्रशासक की जवाबदेहिता ~~निर्धारित~~ करता है कि यह विकल्प
- → कानूनसंगत है
- → नैतिक है
- → सर्वश्रेष्ठ है।

उदा० — ① एक्सीडेंट में घायल व्यक्ति की कार को ट्रैफिक के ~~सन~~ रोकना
② PM आवास योजना
③ DBT योजना

फलतः सही विकल्प → सही निर्णय के लोक कल्याण व एसडीजी लक्ष्य प्राप्ति संभव है।

(b) अच्छी शिक्षा कल्पनातीत है यदि वह उत्तम जीवन और सामाजिक कल्याण के लिये आवश्यक मूल्यों को विकसित करने में विफल रहती है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Good education is inconceivable if it fails to inculcate values essential to good life and social well-being. Comment. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अच्छी शिक्षा वह है जो आदमी को इंसान बनाये। जो सामाजिक कल्याण के मूल्यों को धारण करता है।

उदा० — गाँधीजी, मदर टेरेसा

वर्तमान शिक्षा प्रणाली जो रटंत, केवल मार्क्स या जॉब केंद्रित है, इस मूल्य को धारण नहीं करती है।

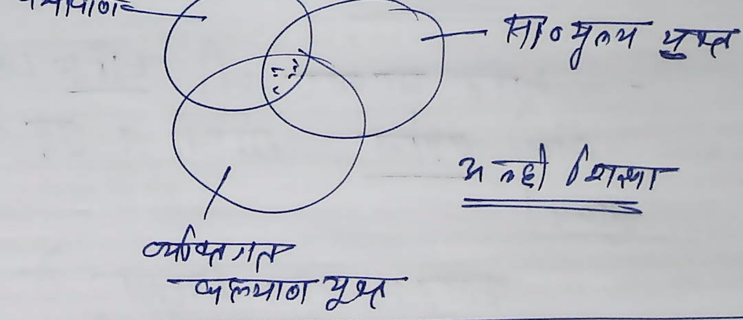

अच्छी शिक्षा के सामाजिक मूल्य

① धैर्य
① सहिष्णुता
① समाज सेवा
① सहानुभूति
① मेहनत के साथ फल
① कर्तव्य परायणता
① जीव मात्र के प्रति दया
① समानता

उदा० - नाजी जर्मनी के हिटलर या L.T.T.E के प्रभाव की शिक्षा को अच्छी शिक्षा नहीं माना जा सकता है।

- हाल ही में बालासोर ट्रेन हादसे के बाद सैकड़ों लोगों द्वारा रक्तदान करना अच्छी शिक्षा है

- भारत सरकार की LiFE (जीवन शैली) एप्रोच, गांधी व बुद्ध के मूल्य।

फलत: मात्र शिक्षा के गुणवत्ता युक्त मूल्यपरक अच्छी शिक्षा का समावेश होना मानवता के लिए जरूरी है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खंड - ख / SECTION - B

7. श्री अर्जुन एक प्रतिष्ठित व्यवसायी हैं और अपने समुदाय में एक प्रमुख व्यक्ति हैं। अपने परोपकार और व्यावसायिक कौशल के लिये जाने जाने वाले, उन्होंने विभिन्न सामाजिक कारणों के लिये उदार व सहायक होने के लिये प्रतिष्ठा बनाई है। उनके बेटे, रवि, जो 25 वर्षीय महत्त्वाकांक्षी संगीतकार हैं, को हाल ही में अंतिम चरण की यकृत संबंधी बीमारी का पता चला है। रवि की कम उम्र और उसकी हालत की गंभीर प्रकृति को देखते हुए, यह निदान परिवार के लिये एक गहरा आघात है।

मेडिकल टीम ने श्री अर्जुन को सूचित किया है कि रवि को जीवित रहने के लिये तत्काल यकृत प्रत्यारोपण की आवश्यकता है। यद्यपि, अंगदान की प्रतीक्षा सूची लंबी है और समय पर यकृत मिलने की संभावना बहुत कम है। प्रत्यारोपण के बिना बीतने वाला प्रत्येक दिन रवि के बचने की संभावना को कम करता है, जिससे श्री अर्जुन और उनके परिवार की चिंता व हताशा बढ़ती जा रही है।

जिस अस्पताल में रवि का उपचार चल रहा है, उसके चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहता अधिकरण समिति में हैं और श्री अर्जुन के पुराने मित्र हैं। उनकी दोस्ती उनके कॉलेज के दिनों से है और विगत् कई वर्षों से वे एक-दूसरे की सहायता करते आए हैं। कई वर्ष पूर्व, डॉ. मेहता के जीवन के एक मुश्किल दौर में, श्री अर्जुन ने उन्हें वित्तीय सहायता और व्यक्तिगत परामर्श देकर महत्त्वपूर्ण सहायता की थी। डॉ. मेहता हमेशा श्री अर्जुन के दयालुता और समर्थन के लिये उनके आभारी रहे हैं।

उनके घनिष्ठ संबंधों को देखते हुए, श्री अर्जुन को डॉ. मेहता से रवि के मामले को तेज़ी से निपटाने और प्रतीक्षा सूची में अन्य रोगियों की तुलना में उसे प्राथमिकता देने के लिये कहने का प्रबल प्रलोभन अनुभव होता है। अपने बेटे की स्थिति की तात्कालिकता और उसके द्वारा अनुभव की जा रही भावनात्मक बैचेनी के कारण श्री अर्जुन के लिये इस तरह के अनुरोध के व्यापक नीतिशास्त्रीय निहितार्थों पर विचार करना मुश्किल हो जाता है।

उपरोक्त केस स्टडी के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये

(a) इस स्थिति में डॉ. मेहता को कौन-से नीतिशास्त्रीय सिद्धांतों के आधार पर निर्णय लेना चाहिये?

(b) डॉ. मेहता को सभी मरीजों के लिये उचित उपचार सुनिश्चित करते हुए श्री अर्जुन के व्यक्तिगत दबाव को कैसे संभालना चाहिये?

(c) अंग आवंटन प्रक्रिया में हितों के संघर्ष को रोकने के लिये क्या उपाय कार्यान्वित किये जा सकते हैं?

(250 शब्द) 20

Mr. Arjun is a well-respected businessman and a prominent figure in his community. Known for his philanthropy and business acumen, he has built a reputation for being generous and supportive of various social causes. His son, Ravi, a 25-year-old aspiring musician, has recently been diagnosed with end-stage liver disease. The diagnosis has come as a severe blow to the family, given Ravi's young age and the critical nature of his condition.

The medical team has informed Mr. Arjun that Ravi requires an immediate liver transplant to survive. The organ donation waiting list, however, is long, and the chances of receiving a liver in time are slim. Each day that passes without a transplant decreases Ravi's chances of survival, adding to the anxiety and desperation felt by Mr. Arjun and his family.

Dr. Mehta, Medical Director of the Hospital where Ravi is being treated, is on the authorization committee and an old friend of Mr. Arjun. Their friendship dates back to their college days, and over the years, they have supported each other through various personal and professional challenges. Years ago, during a particularly difficult time in Dr. Mehta's life, Mr. Arjun extended significant help, providing financial

support and personal counsel. Dr. Mehta has always felt indebted to Mr. Arjun for his kindness and support.

Given their close relationship, Mr. Arjun feels a strong temptation to ask Dr. Mehta to fast-track Ravi's case and prioritize him over other patients on the waiting list. The urgency of his son's condition and the emotional turmoil he is experiencing make it difficult for Mr. Arjun to consider the broader ethical implications of such a request.

Answer the following questions based on the above case study

(a) What ethical principles should guide Dr. Mehta's decision in this situation?

(b) How should Dr. Mehta handle the personal pressure from Mr. Arjun while ensuring fair treatment for all patients?

(c) What measures can be implemented to prevent conflicts of interest in the organ allocation process?

(250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अपने पुत्र की जीवन रक्षा के लिए दोस्त पर भावनात्मक दबाव व समानता के मूल्य के द्वंद्व की कसौटी है।

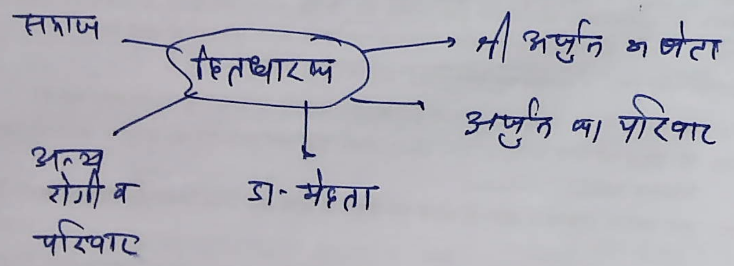

(a) डॉ. मेहता के लिए नीतिशास्त्रीय सिद्धांत :

① कांट का कर्तव्यशास्त्र का सिद्धांत - अपने कर्तव्य को महत्व

② वस्तुनिष्ठता का सिद्धांत, निष्पक्षता

③ निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत

④ निजी जीवन व व्यावसायिक नैतिकता मे संतुलन का सिद्धांत

⑤ अधिकतम के अधिकतम लाभ का सिद्धांत (बेंथम)

(b) सभी मरीजों को उपचार सहित व्यक्तिगत दबाव के संतुलन के लिए :-

① सर्वप्रथम मानसिक समर्थन व हौसला देना।

② भावनात्मक बुद्धिमता का प्रयोग कर वस्तुस्थिति से अवगत कराना।

③ अन्यत्र विकल्पों की संभावना तलाशना

④ अपवादजनक स्थिति के लिए पूर्व दृष्टान्त देखना

⑤ अपना व अपने स्तर पर अधिकतम सहयोग का आश्वासन (नैतिकता के दायरे में)

⑥ स्वयं को हितों के संघर्ष के कारण हटाना

उदा० - जोखिम हेतु द्वारा

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(c) ऑनलाइन आवंटन प्रक्रिया में हितों के संघर्ष का समाधान :—

① सार्वजनिक हित को वरीयता

② संवैधानिक नैतिकता पालन

③ प्रोपर एसओपी (SOP) बनाना
- → हित संघर्ष की घोषणा
- → स्वयं को अलग करना
- → निष्पक्ष द्वारा फैसला
- → जवाबदेहिता निर्धारण

④ नैतिकता प्रशिक्षण

⑤ अंतःकरण की आवाज को मजबूत बनाना

⑥ Rule को महत्व देना

⑦ विशेष दशा में केस टू केस देखना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(d) सदाचार नैतिकता का व्यावहारिक अनुप्रयोग को कर्तव्य नीतिशास्त्र से जोड़ना।

सदाचार + कर्तव्य
[नियम] (नियम)
↘ ↙
निष्पक्ष निर्णय

फलतः कैसे सभी मानवीय संवेदना के संगों से उचित चेक व बैलेंस आवश्यक है।

8. आप एक ऐसे ज़िले के ज़िला मजिस्ट्रेट (DM) हैं जो अपने धार्मिक और सांस्कृतिक महत्त्व के लिये जाना जाता है। समुदाय के भीतर गहराई से संबंधित एक प्रमुख धार्मिक संगठन, एक बड़े पैमाने पर धार्मिक आयोजन की योजना बनाता है। यद्यपि, संगठन को वित्तीय बाधाओं का सामना करना पड़ता है और इतनी बड़ी सभा के लिये आवश्यक सुरक्षा उपायों की पूर्ण तैनाती सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक धन की कमी होती है। आप संभावित जोखिमों से अवगत हैं, विशेष रूप से ऐसे सघन भीड़ वाले आयोजनों में भगदड़ की संभावना। आपकी आपत्तियों के बावजूद, आपको आयोजन की अनुमति देने के लिये भारी सामाजिक और राजनीतिक दबाव का सामना करना पड़ता है। स्थानीय राजनेता, जो धार्मिक गुरुओं और उनके संगठनों को महत्त्वपूर्ण वोट बैंक के रूप में देखते हैं, प्रभाव डालते हैं, आपसे कठोर शर्तों के बिना आयोजन को मंज़ूरी देने का आग्रह करते हैं। दबाव में आकर, आप कुछ शर्तों के साथ अनुमति दे देते हैं। आयोजन के दिन, भगदड़ होती है, जिसके परिणामस्वरूप **100** लोगों की दुखद मृत्यु हो जाती है।

इस त्रासदी से समुदाय सदमे और शोक में है एवं मीडिया और जनता का ध्यान तुरंत इस बात पर जाता है कि इसके लिये कौन ज़िम्मेदार है। ज़िला मजिस्ट्रेट के रूप में, आप विवाद के केंद्र में हैं। उत्तरदायित्व का प्रश्न भी बड़ा है तथा धार्मिक संगठन और स्थानीय प्रशासन दोनों ही जाँच के दायरे में आते हैं।

इसके बाद, भगदड़ के कारणों की जाँच करने और यह निर्धारित करने के लिये एक आधिकारिक जाँच शुरू की जाती है कि क्या लापरवाही की इसमें कोई भूमिका थी। जाँच से पता चलता है कि धार्मिक संगठन, अपनी वित्तीय बाधाओं के बावजूद, भीड़ को नियंत्रित करने के बुनियादी उपायों को भी कार्यान्वित करने में विफल रहा। यद्यपि, जाँच इस तथ्य की ओर भी इशारा करती है कि आपके कार्यालय द्वारा दी गई अनुमति में आवश्यक शर्तों और निरीक्षण का अभाव था, जो आपदा का कारण बना।

(a) इस मामले में शामिल हितधारकों का उल्लेख कीजिये।

(b) इसमें नीतिशास्त्रीय चुनौतियाँ क्या हैं?

(c) भारत में भगदड़ की घटनाएँ आम क्यों हैं और इनमें से कई धार्मिक समारोहों में क्यों हुई हैं? आप इसे रोकने के लिये सबसे पहले क्या उपाय करेंगे? (250 शब्द) 20

You are the District Magistrate (DM) of a district known for its religious and cultural significance. A prominent religious organization, deeply embedded within the community, plans a large-scale religious event. The organization, however, faces financial constraints and lacks the necessary funds to ensure the full deployment of safety measures required for such a large gathering. You are aware of the potential risks, especially the possibility of a stampede in such densely packed events. Despite your reservations, you face immense societal and political pressure to grant permission for the event. Local politicians, who see the religious gurus and their organizations as significant vote banks, exert significant influence, urging you to approve the event without stringent conditions. Yielding to pressure, you give permission, albeit with reservations. On the day of the event, a stampede occurs, resulting in the tragic loss of 100 lives.

The tragedy leaves the community in shock and mourning, and the media and public quickly turn their attention to finding who is responsible. As the District Magistrate, you are at the center of the controversy. The question of accountability looms large, and both the religious organization and the local administration come under scrutiny.

In the aftermath, an official inquiry is launched to investigate the causes of the stampede and determine whether negligence played a role. The inquiry reveals that the religious organization, despite its financial constraints, failed to implement even basic crowd control measures. However, the inquiry also points to the fact that the permission granted by your office lacked the necessary conditions and oversight, contributing to the disaster.

(a) Mention the stakeholders involved in this case.

(b) What are the ethical challenges involved here?

(c) Why are Crowd crushes common in India and many of them have occurred at religious gatherings? What measures would you take to avoid it in the first place? (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आजकल बढ़ते धार्मिक स्थलों पर बिना सटीक जाँच की जाने वाली प्रयोजन अनुमतियाँ, जो भगदड़ का कारण बनती है।

उदा० — उत्तरप्रदेश के हाल ही के भगदड़

(A) हितधारक :—

1. DM में — नियमों का पालन
2. धार्मिक संगठन
3. स्थानीय राजनेता
4. भीड़ क
5. मृत 100 लोग व परिवार
6. प्रशासन
7. मीडिया
8. आम जनता व समाज
9. जाँच अधिकारी

(b) नैतिक चुनौतियां :—

1. धार्मिक भावनाओं का सम्मान सहित कानून का शासन
2. धार्मिक आयोजकों के अदूरदर्शिता
3. राजनेताओं द्वारा केवल स्वार्थवाद
   निजी लाभ >> जनहित
4. दबाव बनाम नियम
5. आदेश बनाम लोक सुरक्षा
6. जीवन मूल्य की क्षति (अनु 21)
7. दबाव के आकर समझौता
   (कर्तव्यनिष्ठा | सत्यनिष्ठा | दृढ़ता पतन)
8. उत्तरदायित्व निर्धारण का प्रश्न
9. धार्मिक स्थलों पर बुनियादी ढांचा का अभाव
10. अनियोजित धार्मिक उत्सव
    * बिना प्रक्रिया पालन के प्रशासनिक अनुमति

(c) भगदड़ की घटना आम होना

- अचानक बारिश
- अफवाह फैलना
- आपदा घटना
- अनियोजित आयोजन
- भीड़ चाल की मनोवृत्ति
- मुख्य स्थलों पर निकास व प्रवेश के सही तंत्र न होना

धार्मिक समारोहों में क्यों

- असामाजिक तत्व
- सटीक सुरक्षा व्यवस्था नहीं
- पुलिस तंत्र का अभाव
- ज्यादा भीड़
- अफवाह फैलना आसान
  - बम
  - लूट
  - बादल विस्फोट
- मंदिर प्रबंधन की कमियां
- प्रशासन द्वारा बिना जांचे अनुमति

उदा० – उत्तराखण्ड के मंदिर
– महाराष्ट्र में
– उत्तरप्रदेश के हाथरस, मथुरा में
– असम

रोकने के उपाय :-

(A) निवारक उपाय :—

1. क्षमता के अनुसार ही भीड़ की अनुमति देना। (दक्षता के पालन)

2. मंदिर कमेटी / धार्मिक स्थल प्रबंधन के साथ पुरस्कार निरीक्षण व ऑडिट का आयोजन

3. संरचनात्मक व गैर-संरचनात्मक उपाय
   - → आपातकालीन आवाज
   - → निकासी की आपात व्यवस्था
   - → CCTV, U.P.S.
   - → बाहिर्य संकेतकी रसोंग तंग
   - → मानव संसाधन प्रशिक्षण
   - → मॉक ड्रिल
   - → NGO & SHG का योगदान

4. भीड़ प्रबंधन की S.O.P ट्रेनिंग

(B) आयोजन के समय
   - → निर्यमित प्रवेश
   - → भावनाओं का सम्मान
   - → महिला, बच्चों, वृद्धों का ध्यान
   - → पुलिस गश्ती, सुरक्षा बढ़ाना
   - → NDRF SDRF से समन्वय
   - → वॉइस ओवर चैनल तंग
   - → संतवर्तियाँ

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

9. श्रद्धा को हाल ही में एक धर्मार्थ अस्पताल का चिकित्सा अधीक्षक नियुक्त किया गया है जो स्थानीय और आस-पास के क्षेत्रों के गरीब एवं वंचित लोगों के लिये एक महत्त्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुविधा के रूप में कार्य करता है। अस्पताल के पास समुचित रूप से वित्त पोषण और पर्याप्त रूप से संसाधन होने के बावजूद, इसकी धर्मार्थ प्रकृति का अर्थ है कि कर्मचारियों का वेतन अपेक्षाकृत कम होना। इस वित्तीय बाधा ने एक चिंताजनक व्यवहार को उत्पन्न दिया है: कुछ कर्मचारियों ने शीघ्र या बेहतर सेवाओं के बदले में अमीर मरीजों से रिश्वत लेने की आदत विकसित कर ली है। यद्यपि इस अनैतिक व्यवहार के विषय में शिकायतें पहले भी सामने आई हैं, लेकिन अस्पताल के प्रबंधन ने आमतौर पर इस पर आँखें मूंद ली हैं और समस्या का सामना करने के बजाय इसे अनदेखा किया है।

(a) श्रद्धा के समक्ष उपस्थित नीतिशास्त्रीय दुविधा और उसके लिये उपलब्ध कार्यवाही के तरीके पर चर्चा कीजिये? साथ ही, उसके द्वारा उठाए गए कदम के पक्ष और विपक्ष पर भी चर्चा कीजिये।

(b) अगर आप श्रद्धा के स्थान पर होते/होती तो क्या करते/करती? (250 शब्द) 20

Shradha has recently been appointed as the Medical Superintendent of a charitable hospital that serves as a crucial healthcare facility for the poor and underprivileged populations both locally and from surrounding areas. Despite the hospital being well-funded and adequately resourced, its charitable nature means that staff salaries are relatively low. This financial constraint has led to a concerning practice: some staff members have developed a habit of accepting bribes from wealthier patients in exchange for expedited or enhanced services. Although complaints about this unethical behavior have surfaced in the past, the hospital's management has generally turned a blind eye, choosing to ignore the problem rather than confront it.

(a) Discuss the ethical dilemma confronting Shradha and the course of action available to her? Also, discuss pros and cons of her action

(b) What would you do if you were in Shradha's position? (250 Words) 20

धर्मार्थ अस्पताल में पनपे व सतत चल रहे भ्रष्टाचार की समस्या है।

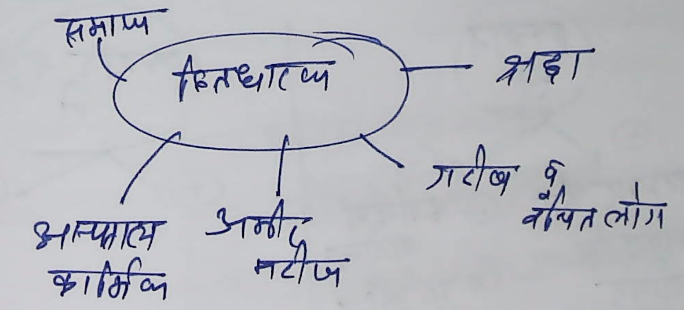

drishti | दृष्टि The Vision

(a) बाध्य के समक्ष नैतिक दुविधा। —

1. चलने दे या एक्शन ले
2. कर्मियों के प्रति संवेदना बनाम नियम
3. रिश्वत की समस्या
4. स्वयं नुकसान खतरा बनाम सत्यनिष्ठा
5. गरीब लोगों की सेवा केंद्रित रहे व भ्रष्टाचार को इग्नोर कर दे।

(b) विकल्प
- कोई एक्शन न ले
- एक्शन ले

एक्शन ले
- (+)
  - भ्रष्टाचार अंत
  - कानून का शासन
  - Rule
- (−)
  - कार्मिक मनोबल
  - गरीबों व पीड़ितों के प्रति घृणा बढ़ सकना।

एक्शन न ले
- (+)
- (−)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

एक्शन ना ले
- (+)
  - कार्य केंद्रित
  - गरीबों के कल्याण पर केंद्रित
- (−)
  - भ्रष्टाचार को समर्थन देना
  - प्रशासनिक नैतिकता का उल्लंघन।
  - अब की गरीबों को दोयम दर्जा।

(b) मैं, यहाँ पर एक्शन लेने का विकल्प चुनता। [विकल्प ①]

क्योंकि :
- → मानव बन जाता
- → दोषियों पर एक्शन
- → गरीबों को प्राथमिकता
- → अंतः करण को शांति
- हाल का वास्तविक इंटेंशन सफल

सरकारी कार्मिकों का मनोबल बढ़ाने व प्रोत्साहन के लिए

- → निष्काम कर्म की प्रेरणा (गीता)
- → सदाचार नैतिकता की स्थापना
- → प्रत्यायन करना
- → उनके कल्याण के लिए संभव योजना बनाना
- → इनके के नियमों व सरकारी कानूनों के द्वारा सैलरी बढ़ाना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti दृष्टि The Vision

10. आर्यन विश्वविद्यालय के छात्र श्रेयस शर्मा को अपने निवास कक्ष में "जाति विशेषाधिकार की समझ" शीर्षक वाला बुलेटिन बोर्ड दिखाई देता है। वह इसे प्रचार मानता है और मानता है कि यह उच्च जाति के छात्रों के साथ भेदभाव करता है। जवाब में, श्रेयस ने फेसबुक पर एक निंदा पोस्ट की, जिसमें प्रमुख रूढ़िवादी हस्तियों अमित वर्मा और राजन पटेल को टैग किया ताकि परिसर में अत्यधिक उदारवाद की ओर ध्यान आकर्षित किया जा सके। यह पोस्ट तुरंत वायरल हो गई, जिसका समर्थन और विरोध दोनों हुआ।

प्रिया नामक एक छात्र पत्रकार श्रेयस का साक्षात्कार लेती है ताकि बुलेटिन बोर्ड की आलोचना करने के उसके उद्देश्यों को समझा जा सके। श्रेयस, जिसने इस तरह की प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं की थी और अब अपने पोस्ट पर पछतावा करता है, प्रिया से लेख में अपना नाम गोपनीय रखने के लिये कहता है। प्रिया के सामने एक नैतिक दुविधा है: श्रेयस के नाम न बताने के अनुरोध का सम्मान करना या उसके सार्वजनिक बयानों के लिये उसे उत्तरदायी ठहराना।

(a) विवाद को संबोधित करने में विश्वविद्यालय प्रशासन की नीतिशास्त्रीय ज़िम्मेदारी का मूल्यांकन कीजिये। मुक्त भाषण और समावेशिता के बीच संतुलन बनाने के लिये वे क्या उपाय कर सकते हैं?

(b) श्रेयस द्वारा सामना किये गए विरोध के संदर्भ में न्याय की अवधारणा पर विचार कीजिये। विश्वविद्यालय यह कैसे सुनिश्चित कर सकता है कि इसमें शामिल सभी पक्षों के साथ उचित व्यवहार हो और उन्हें समुचित रूप से उत्तरदायी ठहराया जा सके?

(c) जिन आलोचनाओं को श्रेयस झेल रहा है उससे प्रिया अवगत हैं। साक्षात्कारकर्त्ता के प्रति समानुभूति और पत्रकारिता की निष्पक्षता बनाए रखने के बीच नीतिशास्त्रीय संतुलन पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 20

Shreyas Sharma, a student at Aryan University, comes across the bulletin board titled "Understanding Caste Privilege" in his residence hall. He perceives it as propaganda and believes it discriminates against upper-caste students. In response, Shreyas posts a denouncement on Facebook, tagging prominent conservative figures Amit Verma and Rajan Patel to draw attention to what he sees as excessive liberalism on campus. The post quickly goes viral, attracting both support and significant backlash.

Priya, a student journalist, interviews Shreyas to understand his motives for criticizing the bulletin board. Shreyas, who did not anticipate the extent of the backlash and now regrets his post, asks Priya to keep his name confidential in the article. Priya faces an ethical dilemma: respecting Shreyas's request for anonymity or holding him accountable for his public statements.

(a) Evaluate the ethical responsibility of the university administration in addressing the controversy. What measures could they take to balance free speech and inclusivity?

(b) Reflect on the concept of justice in the context of the backlash faced by Shreyas. How can the university ensure that all parties involved receive fair treatment and are held accountable appropriately?

(c) Priya is aware of the backlash Shreyas has faced. Discuss the ethical balance between empathy for the interviewee and maintaining journalistic objectivity. (250 Words) 20

सोशल मीडिया के दौर मे अपने बयानो की जवाबदेहिता का दौर है

drishti दृष्टि The Vision

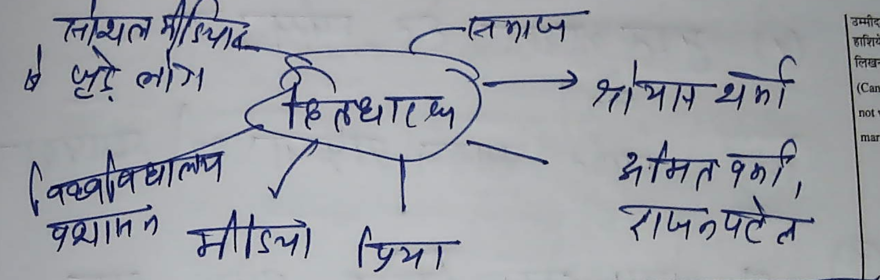

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(a) विवाद संबोधन मे विश्वविद्यालय प्रशासन की जिम्मेदारी : —

(1) मामले की जाँच करना
(2) श्रेयस शर्मा पर तात्कालिक निलंबन
(3) "जाति विशेषाधिकार की समझ" का बोर्ड लगाने वाले लोगों पर निलंबन
(4) सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से पोस्ट हटाने की सिफारिश। (IT Rules 2021)

मुक्त भाषण व समावेशिता के संतुलन प्रयास

(i) 19(2) के तहत युक्तियुक्त प्रतिबंध
(ii) संवाद का माहौल बनाना
(iii) सोशल मीडिया पर जाने से आवश्यक बचें (iv) जवाबदेही निर्धारण

(v) मुफ्त आपदा हेतु फीस न लेना।

(vi) स्पष्ट मानक प्रक्रिया की स्थापना

(B) ~~क~~ श्रेयस द्वारा विरोध उसके द्वारा डाली गई सोशल मीडिया निंदात्मक पोस्ट के कारण है।

लेकिन उसकी इच्छा / वास्तविक मनोवृत्ति किसी का विरोध की नहीं थी।

"अपराध के लिए अपराध के साथ इंटेंशन भी होना जरूरी है।"

विश्वविद्यालय
- → जाँच कमेटी बनाये
- → CCTV कैमरे जाँच करे
- → बुलेटिन बोर्ड श्रेयस के दावान से विरोध पहुँचाया
- → श्रेयस के मूल भावना को जाने
- → बिल बोर्ड डालने वालों की जवाबदेहिता तय करे

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

— जाँच के बाद दुष्ट षड्यंत्रकारी पोस्ट जोड़ना
- पुलिस को रिपोर्ट
- विश्वविद्यालय के निष्कासन के आदेश
- सख्ती बढ़ाना।

(C) प्रिया का द्वंद्व श्रेयस के प्रति सहानुभूति व निष्पक्षता का है।

यहाँ संतुलन आवश्यक है

क्योंकि
- → श्रेयस को पछतावा है
- → उसकी मनोवृत्ति या इच्छा ऐसी नहीं
- → श्रेयस की निजता
- श्रेयस के जीवन मूल्य की सुरक्षा

फलतः यहाँ नाम गोपनीय रखा जा सकता है।

कौशल यह संतुलन तट
मामला दर मामला ही जाँच किया
जाना चाहिए यदि
— राहुल की संप्रभुता
— निजता / ~~सार~~ निष्पक्षता
— व्यावसायिक आदेश
— जीवन मूल्य की क्षति

न हो तो खुलासा किया जा सकता है।

अर्थात यह महीन संतुलन है जो परानुभूति को इसी समय (S.I.) का प्रयोग कर वास्तविक भावनाओं व कानूनों की नमन द्वारा प्रयोग करना है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

11\. भारत में एक बड़ी बहुराष्ट्रीय आईटी कंपनी में अनुभवी विक्रय प्रतिनिधि राहुल ने कंपनी के भीतर, विशेष तौर पर अपने सहकर्मी अर्जुन के साथ गहरी मित्रता विकसित की थी। पिछले कुछ महीनों में, अर्जुन ने राहुल को अपनी पत्नी, बच्चों और बूढ़े माता-पिता का भरण-पोषण करने सहित अपने गंभीर वित्तीय संघर्षों के बारे में बताया था। अर्जुन ने काम पर जोखिम भरे कदमों का संकेत दिया था, लेकिन कभी भी विशिष्ट बातें नहीं बताईं।

जब अर्जुन ने अचानक कंपनी छोड़ दी, तो राहुल हैरान और संदिग्ध हो गया। उसने अर्जुन के कार्यभार को अपने नियंत्रण में ले लिया और जल्द ही उसे पता चल गया कि अर्जुन की धोखाधड़ी गतिविधियों से कंपनी को वित्तीय नुकसान हुआ है। अर्जुन ने एक योजना बनाई थी जिसमें फर्जी विक्रय ऑर्डर, अग्रिम कमीशन भुगतान प्राप्त करना और विलंबित वितरण के लिये बाहरी कंपनी के साथ मिलीभगत करना शामिल था, जिससे गैर-मौजूद विक्रय के लिये कमीशन प्राप्त किया जा सके।

उनकी आपस की बातचीत पर विचार करते हुए, राहुल को बेचैनी महसूस हुई, उसे अनुभव हुआ कि अर्जुन की हताशा ने उसे धोखाधड़ी करने के लिये प्रेरित किया। उसने प्रश्न किया कि क्या वह स्थिति को रोक सकता था और उसे ज़िम्मेदारी का अहसास हुआ। अर्जुन के चले जाने और आंतरिक जाँच शुरू होने के बाद, राहुल को नैतिक दुविधा का सामना करना पड़ा कि जो वह जो जानता था उसे उजागर करे या नहीं।

राहुल अपनी व्यक्तिगत सत्यनिष्ठता बनाए रखना चाहता था और कंपनी को इस मुद्दे को समझने में सहायता करना चाहता था, लेकिन उसे भय था कि सब कुछ उजागर करने से उसकी स्थिति खतरे में पड़ सकती है और उसे नौकरी से निकाला जा सकता है। वह अर्जुन की स्थिति से समानुभूति रखता था, वह अपने मित्र की रक्षा करने और अपने नीतिशास्त्रीय मानकों को बनाए रखने के बीच उलझन में था। राहुल इस बात से जूझ रहा था कि क्या सच्चाई को उजागर करना उसकी नौकरी और मित्रता को खोने के लायक है, खासकर तब जब कंपनी का वित्तीय नुकसान भयावह नहीं था और उत्पाद जीवन-मरण का प्रश्न नहीं था।

(a) पेशेवर संदर्भ में नीतिशास्त्रीय निर्णयन में समानुभूति का क्या प्रभाव होना चाहिये? क्या किसी सहकर्मी के व्यक्तिगत संघर्षों को समझना उसके अनैतिक कार्यों को उचित ठहरा सकता है या कम कर सकता है?

(b) राहुल के निर्णय में सबसे महत्त्वपूर्ण नीतिशास्त्रीय मूल्य क्या हैं?

(c) राहुल के निर्णय को कौन-से कारक प्रभावित करेंगे?

(250 शब्द) 20

Rahul, an experienced sales representative at a large multinational IT company in India, had developed strong friendships within the company, especially with his colleague Arjun. Over recent months, Arjun had confided in Rahul about his severe financial struggles, including supporting his wife, children, and aging parents. Arjun had hinted at risky moves at work but never disclosed the specifics.

When Arjun abruptly left the company, Rahul was shocked and suspicious. He took over Arjun's sales territories and soon discovered the financial damage caused by Arjun's fraudulent activities. Arjun had orchestrated a scheme involving fictitious sales orders, receiving upfront commission payments, and colluding with an external company to delay deliveries, thereby securing commissions for non-existent sales.

Reflecting on their conversations, Rahul felt uneasy, realizing Arjun's desperation likely drove him to commit fraud. He questioned whether he could have prevented the situation and felt a sense of responsibility. With Arjun gone and an internal investigation underway, Rahul faced a moral dilemma about whether to disclose what he knew.

Rahul wanted to maintain his personal integrity and help the company understand the issue but feared that revealing all could jeopardize his position and lead to termination. He empathized with Arjun's plight, feeling conflicted between protecting his friend and upholding his own ethical standards. Rahul wrestled with whether exposing the truth was worth potentially losing his job and friendship, especially since the company's financial loss was not catastrophic and the product was not life-or-death.

(a) How should empathy influence ethical decision making in a professional context? Can understanding a colleague's personal struggles justify or mitigate unethical actions?

(b) What are the most significant ethical values at stake in Rahul's decision?

(c) What factors should influence Rahul's decision? (250 Words) 20

निजी दोस्ती व सत्यनिष्ठा के मूल्य के मध्य द्वंद्व का वाद है

समाज — हितधारक — राहुल

अन्य कंपनियां — कंपनी — अर्जुन व परिवार

(A) समानुभूति वस्तुत: दूसरे की वेदना को स्वयं अनुभव करने का गुण है।

पेशेवर निर्णयों में समानुभूति
→ निर्णय को सकारात्मक बनाते
→ भरोसा पाने
→ टीमवर्क, वर्क कल्चर
→ मूल्य व्याख्या
→ साथियों को समझ जानने

उदा० – 'लंच विद कलेक्टर' (दंतेवाड़ा DM)
– 'ऑपरेशन सुलेमानी' (प्रशांत नायर)

यद्यपि समानुभूति किसी सहकर्मी के गलत कर्मों को उचित ठहराने के लिए प्रयोग नहीं की जा सकती है। यद्यपि विशेष केस में कानून के अंतर्गत जो लाभ है वे दिये जा सकते हैं। जैसे मानवीय मजबूरी व गैर-आदतन हो।

(B) राहुल के निर्णय में मूल्य :—

1. सत्यनिष्ठा
2. कर्तव्यनिष्ठा
3. वस्तुनिष्ठता
4. कानून का शासन
5. व्यक्तिगत जीवन को अलग रखना (निर्वैयक्तिकता)
6. सुचिता

⑦ दोस्ती का मूल्य

⑧ भाईचारा

⑨ निजी संबंध

⑩ भावनाएं

(c) राहुल के निर्णय को प्रभावित करने वाले कारक : —

① निजी हित

② जॉब की सुरक्षा

③ दोस्ती का मूल्य / मित्रता

④ दोस्त के परिवार व दशाओं की चिंता

⑤ अंत:करण का संकट

⑥ कंपनी का हित

⑦ कंपनी के मानक

⑧ व्यावसायिक सत्यनिष्ठा

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⑨ धोखाधड़ी

⑩ कंपनी को क्षति

⑪ कानून का उल्लंघन

⑫ समाज की व्यापक अर्थों में क्षति

फलत: राहुल को अपनी EI समता का उपयोग कर व विनम्रता का संसाधन द्वारा जाँच व शीर्ष प्रबंधन को सूचना देनी चाहिए।

ताकि कार्रवाई होलेकिन विशेष दशा व मजबूरी की संभावित जाँच की जा सकती है, फिर संतुलित समाधान हो।

drishti | दृष्टि The Vision

12. मुंबई में रहने वाली 28 वर्षीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर निशा ने विगत् पाँच वर्षों में इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर काफी संख्या में फॉलोअर्स प्राप्त किये हैं। अपनी जीवनशैली संबंधी कंटेंट के लिये जानी जाने वाली निशा प्रायः फैशन, ब्यूटी और वेलनेस सेक्टर के ब्रांड्स के साथ सहभाग करती हैं। उनके फॉलोअर्स उनकी प्रामाणिकता और विश्वसनीय कंटेंट के लिये उनकी प्रशंसा करते हैं और उन्होंने अपने व्यक्तिगत मूल्यों के अनुरूप उत्पादों का प्रचार करने के लिये प्रतिष्ठा बनाई है।

निशा को अनन्या अरोड़ा ने एक नए आहार पूरक का प्रचार करने के लिये संपर्क किया है जो जल्दी वजन घटाने का वादा करता है। अभियान एक आकर्षक सौदा प्रदान करता है, जो निशा द्वारा अब तक किसी एकल साझेदारी से अर्जित की गई राशि से कहीं अधिक है। राहुल, उसका प्रबंधक, उसे प्रस्ताव स्वीकार करने के लिये प्रोत्साहित करता है, वित्तीय लाभ और अधिक फॉलोअर्स प्राप्त करने की क्षमता पर जोर देता है।

हालाँकि, निशा को कुछ संदेह है। उत्पाद पर शोध करने पर, उसे स्वास्थ्य विशेषज्ञों से मिली-जुली समीक्षाएँ और चिंताएँ मिलती हैं, जिनमें डॉ. अरविंद राव भी शामिल हैं, जो ऐसे सप्लीमेंट्स की सुरक्षा और प्रभावशीलता पर प्रश्न उठाते हैं। निशा जानती है कि उसके कई फॉलोअर्स स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती संबंधी सलाह के लिये उससे परामर्श लेते हैं और संभावित रूप से असुरक्षित उत्पाद का प्रचार करने से उनकी विश्वसनीयता को नुकसान पहुँच सकता है और उसके फॉलोअर्स जोखिम में पड़ सकते हैं।

निशा को प्रिया ने सुझाव दिया कि उसे नैतिकता के बारे में बहुत अधिक चिंता नहीं करनी चाहिये। उसका तर्क है कि फॉलोअर्स अपनी पसंद के लिये स्वयं ज़िम्मेदार हैं और इस तरह की साझेदारी इंडस्ट्री में आम बात है। प्रिया ने स्वयं भी बिना किसी विरोध का सामना किये इसी तरह के उत्पादों का प्रचार किया है।

निशा अब दोराहे पर खड़ी है। एक तरफ, वह इस प्रस्ताव को स्वीकार कर सकती है, अपनी कमाई को काफी बढ़ा सकती है और अपने फॉलोअर्स की संख्या बढ़ा सकती है। दूसरी तरफ, किसी ऐसे उत्पाद का प्रचार करना जिस पर उसे पूरा विश्वास नहीं है, उसके मूल्यों से समझौता कर सकता है और संभवतः उसके फॉलोअर्स को खतरे में डाल सकता है।

उपरोक्त केस स्टडी के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(a) क्या प्रभावशाली लोगों के लिये उन उत्पादों का प्रचार करना नीतिशास्त्रीय रूप से सही है, जिनका वे व्यक्तिगत रूप से उपयोग नहीं करेंगे या अपने प्रियजनों को उनकी प्रेरक शक्ति के कारण अनुशंसा नहीं करेंगे? यह "किसी को हानि न पहुँचाएँ" सिद्धांत के साथ कैसे संरेखित होता है?

(b) क्या प्रभावशाली व्यक्तियों को उनके द्वारा समर्थित उत्पादों से होने वाले संभावित नुकसान के लिये उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिये?

(c) एक प्रभावशाली व्यक्ति को अपने वित्तीय हितों और अपने दर्शकों के प्रति नीतिशास्त्रीय दायित्वों के बीच संघर्ष का समाधान कैसे करना चाहिये?

(250 शब्द) 20

Nisha, a 28-year-old social media influencer based in Mumbai, has gained a significant following on Instagram and YouTube over the past five years. Known for her lifestyle content, she frequently collaborates with brands in the fashion, beauty, and wellness sectors. Her followers admire her for her authenticity and relatable content, and she has built a reputation for endorsing products that align with her personal values.

Nisha is approached by Ananya to promote a new dietary supplement that promises quick weight loss. The campaign offers a lucrative deal, far more than Nisha has ever earned from a single partnership. Rahul, her manager, encourages her to accept the offer, emphasizing the financial benefits and the potential to gain more followers.

उम्मीदवार इस हाशिये में न लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

However, Nisha has reservations. Upon researching the product, she finds mixed reviews and concerns from health experts, including Dr. Arvind Rao, who questions the safety and effectiveness of such supplements. Nisha is aware that many of her followers look up to her for health and wellness advice, and promoting a potentially unsafe product could harm her credibility and put her followers at risk.

Priya, her friend, suggests that Nisha should not worry too much about the ethics, arguing that followers are responsible for their own choices and that such partnerships are common in the industry. Priya herself has promoted similar products without facing any backlash.

Nisha is now at a crossroads. On one hand, she could accept the deal, significantly boost her earnings, and expand her reach. On the other hand, promoting a product she does not fully trust could compromise her values and possibly endanger her followers.

Based on the above case study, answer the following questions:

(a) Is it ethical for influencers to promote products they would not personally use or recommend to loved ones, given their persuasive power? How does this align with the "do no harm" principle?

(b) Should influencers be held accountable for the potential harm caused by the products they endorse?

(c) How should an influencer navigate the conflict between their financial interests and their ethical obligations to their audience?

(250 Words) 20

उम्मीदवार इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आधुनिक दौर सेलीब्रेटी द्वारा किये जा रहे प्रचार व उनमें इनकी नैतिकता संकट का मामला है

उदा० — विमल पान मसाला

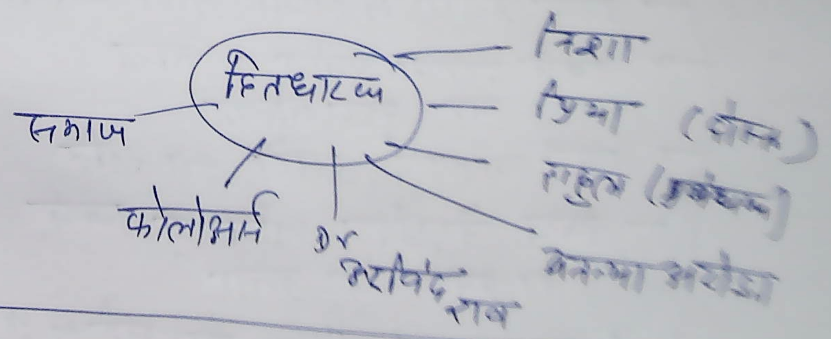

(a) नहीं, यह किसी को हानि न पहुँचाए सिद्धांत से संरेखित नहीं है।

इस तरह का प्रचार नीतिशास्त्रीय दृष्टि से सही नहीं है क्योंकि

- लोगों की विश्वसनीयता का दुरुपयोग
- कहनी व करनी में अंतर
- व्यावसायिक सत्यनिष्ठा पतन
- स्वास्थ्य संकट
- आर्थिक क्षति
- पर्यावरण लागत

(b) हाँ, प्रभावशाली व्यक्तियों को जवाबदारी रखनी चाहिए

→ उनके प्रचार से लोगों द्वारा खरीददारी
→ स्वयं उसका प्रयोग न करना या झूठ बोलना
→ स्वयं का लाभ, दूसरों को क्षति
→ बिना वैज्ञानिक जाँच व स्वयं पर प्रयोग के प्रचार
→ Terms & Conditions को सही से न दिखाना
→ दर्शकों के प्रति दायित्व

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on this margin)

(c) वित्तीय हितों व दर्शकों के प्रति दायित्व में संतुलन :—

1. केवल वे ही Ad जो स्वयं विश्वास
2. पहले स्वयं इस्तेमाल फिर प्रचार
3. स्वास्थ्य संबंधी प्रचारों के पहले वैज्ञानिक परीक्षण करें।
4. Ad करने वाली कंपनी की विश्वसनीयता परखें।
5. समाज विरोधी या अनैतिक प्रचारों से बचें।
6. दर्शकों के प्रति संवेदना रखें।
7. खुलापन बढ़ाये
8. दर्शकों से संवाद कर उनकी भावनाओं को समझें।
9. गलत प्रभाव पर जवाबदेही लें।
10. CSR द्वारा सहयोग करें।

drishti | दृष्टि The Vision

(11) व्यापक ~~सामाजिक~~ दृष्टिकोण (बे
सामाजिक

(12) साधन की पवित्रता को अपनाये।

(12) विचार, व्यवहार, कर्म ~~के~~
सत्यनिष्ठा अपनाये।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये (Candidate must not write on the margin)

drishti | दृष्टि The Vision

Space for Rough Work
(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)